दुग्ध क्षेत्र किसी FTA में नहीं खोला, GM उत्पादों का आयात कभी नहीं: व्यापार-सुरक्षा पर वाणिज्य मंत्री

समाचार-संदर्भ: 3 नवंबर 2026 — दिल्ली के किरोड़ी मल कॉलेज में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल का संबोधन।
प्रकाशन: 4 नवंबर 2026
मुख्य परीक्षा (GS-III): अर्थव्यवस्था — कृषि, मुक्त व्यापार समझौते, खाद्य-सुरक्षा, MSME, निर्यात।
प्रिलिम्स: GM उत्पाद, रेनेट (rennet), FTA में संवेदनशील क्षेत्र, निर्यात आँकड़े और लक्ष्य।



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने 3 नवंबर 2026 को दिल्ली के किरोड़ी मल कॉलेज के विद्यार्थियों से कहा कि भारत ने **किसी भी मुक्त व्यापार समझौते (FTA) में दुग्ध क्षेत्र कभी नहीं खोला** और आगे भी नहीं खोलेगा; साथ ही **आनुवंशिक रूपांतरित (GM) उत्पादों का आयात कभी नहीं हुआ और भविष्य में भी अनुमति नहीं दी जाएगी** — दोनों देश के लिए "अत्यंत संवेदनशील" मुद्दे हैं। उन्होंने कहा कि व्यापार-समझौतों में भारत ने हमेशा अपने **किसानों, मछुआरों और MSME** की रक्षा की है।

दुग्ध क्षेत्र पर भारत का रुख

गोयल ने कहा: "आज तक हमने दुग्ध क्षेत्र किसी के लिए नहीं खोला है।" इसके पीछे एक वजह **धार्मिक संवेदनशीलता** भी है: कई देशों में पनीर-निर्माण में बछड़े के पेट की अस्तर से बना **रेनेट (rennet)** या गोमांस-आधारित सामग्री प्रयोग होती है; भारत इसकी अनुमति

नहीं देता और **प्रमाणन अनिवार्य** रखता है ताकि बड़े हिस्से की धार्मिक भावना न ठेस पहुंचे।

GM उत्पादों पर प्रतिबंध

GM उत्पादों के आयात को लेकर भारत का रुख निरंतर रहा है — "हमने कभी अनुमति नहीं दी और भविष्य में भी नहीं देंगे।" नीति-निर्माताओं की आशंका: विकसित देशों की **अत्यधिक मशीनीकृत और सब्सिडी-युक्त खेती** से सस्ते GM उत्पाद आएँ तो घरेलू कीमतें दबेंगी और **छोटे-सीमांत किसानों की आय** को नुकसान होगा। मुद्दा खाद्य-सुरक्षा, आजीविका, पर्यावरणीय जोखिम और व्यापार-सुरक्षा — सबसे जुड़ा है। अमेरिका के GM कृषि और दुग्ध उत्पादों के भारत में बड़े व्यावसायिक हित हैं; भारतीय नियम पशु-आधारित चारा खिलाए जाने वाले पशुओं से बने उत्पादों के आयात पर भी प्रतिबंध रखते हैं।

आक्रामक हित (Offensive Interests)

समझौतों में भारत **वस्त्र, दवा (फार्मा), कृषि उत्पाद और रत्न-आभूषण** जैसे क्षेत्रों के लिए **तरजीही बाजार-पहुंच (preferential access)** चाहता है — ताकि भारतीय वस्तुओं पर शुल्क प्रतिस्पर्धी देशों (इंडोनेशिया, मलेशिया, वियतनाम, चीन, फिलीपींस) से कम हो। "हमारा प्रयास है कि प्रतिस्पर्धियों की तुलना में भारत को तरजीही दर मिले।"

निर्यात लक्ष्य और आँकड़े

2026-27 में वस्तु एवं सेवा निर्यात का लक्ष्य **$1 ट्रिलियन**; अप्रैल-सितंबर 2026 में निर्यात लगभग **$480 अरब** रहा — वर्ष-दर-वर्ष लगभग **14% की वृद्धि**। लक्ष्य के लिए शेष छह माह में **$520 अरब** चाहिए; अक्टूबर के आँकड़े नवंबर के मध्य में औपचारिक रूप से जारी होंगे।

आत्मनिर्भरता के अन्य संकेत

टनल-बोरिंग मशीनों पर चीन के निर्यात-नियंत्रण के प्रश्न पर गोयल ने कहा कि आपूर्ति प्रभावित होने पर **भारत स्वयं बनाने का काम करेगा**; दुर्लभ-मिट्टी (rare earths) तक पहुंच बाधित होने पर भी भारत "भीख का कटोरा" लेकर नहीं गया। साथ ही विमान-उपलब्धता बढ़ाने के लिए **Embraer, Airbus और Boeing** के साथ काम चल रहा है, जिससे पर्यटन को भी बल मिलेगा।

परीक्षा के लिए महत्त्व

मुख्य परीक्षा (GS-III): कृषि-व्यापार की सुरक्षा-नीति; FTA में रक्षणात्मक बनाम आक्रामक हित; GM तकनीक और खाद्य-सुरक्षा विनियमन; छोटे किसानों की सुरक्षा और निर्यात-वृद्धि का संतुलन।
प्रिलिम्स: रेनेट (rennet) क्या है; GM उत्पादों पर भारत की स्थिति; 2026-27 निर्यात लक्ष्य ($1 ट्रिलियन); अप्रैल-सितंबर 2026 निर्यात (~$480 अरब, ~14% वृद्धि)।

PCSMANTRA.COM

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न. "भारत ने व्यापार-समझौतों में रक्षणात्मक और आक्रामक हितों का संतुलन बनाया है।" दुग्ध क्षेत्र और GM आयात पर हाल के बयान के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

भूमिका में
भारत की व्यापार-नीति दोहरे लक्ष्य पर चलती है: संवेदनशील क्षेत्रों (दुग्ध, GM, कृषि) की सुरक्षा और प्रतिस्पर्धी क्षेत्रों के लिए बाजार-पहुंच।

मुख्य भाग में
रक्षणात्मक हित — दुग्ध क्षेत्र किसी FTA में न खोलना, GM आयात पर प्रतिबंध, धार्मिक-संवेदनशीलता (रेनेट/प्रमाणन), छोटे-सीमांत किसानों की सुरक्षा; आक्रामक हित — वस्त्र, फार्मा, कृषि, रत्न-आभूषण में तरजीही पहुंच; सब्सिडी-युक्त आयात बनाम घरेलू कीमतें; निर्यात लक्ष्य $1 ट्रिलियन और 14% वृद्धि; आत्मनिर्भरता (TBM, rare earths)।

निष्कर्ष में
समझौतों की सफलता इसी संतुलन में है — खुलेपन का लाभ तभी, जब किसान, मछुआरा और MSME सुरक्षित रहें।

प्रिलिम्स परीक्षा अभ्यास प्रश्न

प्रश्न 1. भारत की व्यापार-नीति के संदर्भ में निम्न कथनों पर विचार कीजिए:

कथन-I: भारत ने कुछ मुक्त व्यापार समझौतों में अपना दुग्ध क्षेत्र खोला है।
कथन-II: रेनेट (rennet) परंपरागत रूप से बछड़े के पेट की अस्तर से प्राप्त पनीर-निर्माण का एक एन्जाइम है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल कथन-I
(b) केवल कथन-II
(c) कथन-I और कथन-II दोनों
(d) न तो कथन-I, न कथन-II

उत्तर: (b) — कथन-I गलत: वाणिज्य मंत्री ने 3 नवंबर 2026 को कहा कि भारत ने किसी भी FTA में दुग्ध क्षेत्र कभी नहीं खोला। कथन-II सही: रेनेट पनीर-बनाने का एन्जाइम है जो परंपरागत रूप से नवजात बछड़े के पेट की अस्तर से मिलता है — यही धार्मिक-संवेदनशीलता का आधार है।

प्रश्न 2. अप्रैल-सितंबर 2026 में भारत का वस्तु एवं सेवा निर्यात लगभग कितना रहा?

(a) लगभग $380 अरब
(b) लगभग $480 अरब (लगभग 14% वार्षिक वृद्धि)
(c) लगभग $520 अरब
(d) लगभग $1 ट्रिलियन

PCSMANTRA.COM

उत्तर: (b) — अप्रैल-सितंबर 2026 में निर्यात लगभग $480 अरब रहा — वर्ष-दर-वर्ष लगभग 14% अधिक। 2026-27 का लक्ष्य $1 ट्रिलियन है; शेष छह माह में $520 अरब चाहिए।

स्रोत

1. **द हिंदू: India has never allowed import of genetically modified products, will never open dairy sector: Piyush Goyal (3 नवंबर 2026)**
   https://www.thehindu.com/business/Industry/india-has-never-allowed-import-of-genetically-modified-products-will-never-open-dairy-sector-piyush-goyal/article71660272.ece

PCSMANTRA.COM